Record of percentage change in Syllabus

Name of the Department : Department of Maithili, Patna University, Patna

Name of the Program:

Paper No	Name of Paper	Whether included in year 2013-14 (Yes/No)	Whether included in year 2017-18 (Yes/No)	Percentage revised in Content #	Year of introduction or revision*	Remark (pls. mark which paper is a value added or skill development paper)
1	मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	Yes	Yes	20%	2017-18	
2	भाषा–विज्ञान	No	No	-	2017-18	
3	आधारभूत भाषा	Yes	Yes	30%	2017-18	
4	मुक्तक काव्य	Yes	Yes	20%	2017-18	
5	मध्यकालीन नाटक	Yes	Yes	100%	2017-18	
6	गद्य	Yes	Yes	60%	2017-18	
7	काव्यशास्त्र	No	No	nil	2017-18	
8	समालोचना एवं पत्र–पत्रिका	No	yes	2%	2017-18	
9	मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	Yes	Yes	100%	2017-18	

Proforma for Filling-Up Data Related to the Revision in Courses/Paper

स्नातकोत्तर विभाग मैथिली विभाग, पटना विष्वविद्यालय के विगत पॉच वर्षो 2013–18 के पाठ्यक्रमों में परिर्वतन का विवरण।

Name of the Program:

पेपर संख्या	पेपर का नाम तथा पेपर कोड सहित (Name of the Course/Paper with Code)	पेपर से हटाये गये विषय–वस्तु का विवरण (Details of the remove content)	पेपर में जोड़े गये विषय–वस्तु का विवरण (Details of the added content)
1	मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	मध्यकालीन नाटक	गोविन्द दास, उमापति, मनबोध हर्षनाथ झा प्रर्भृत चन्दा झासँ पूर्व धरि
2	भाषा–विज्ञान	परिवर्त्तन नहीं	X
3	आधारभूत भाषा	पुरुष परीक्षा	X
4	मुक्तक काव्य	मैथिली नव कविता	साओन भादव
5	मध्यकालीन नाटक	मध्यकालीन नाटक	मैथिली सहित्यक इतिहास (आधुनिककाल)
6	गद्य	संकलन, नातिक पत्रक उत्तर, विविधा	पारिजातहरण, एकांकी संग्रह अंकिया नाट्य
7	काव्यशास्त्र	परिवर्तन नहीं	परिवर्त्तन नहीं
8	समालोचना एवं पत्र–पत्रिका	मैथिली सहित्यक इतिहास (आधुनिककाल)	मिथिला दर्शन, कोशी संदेश
9	मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	अश्रुकण	प्रबन्धकाव्य

Head of the Department Maithili
Patna University, Patna-5

10	कथा ओ उपन्यास	Yes	Yes	20%	2017-18		10	कथा ओ उपन्यास	आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी	गंगापुत्र
11	आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी	Yes	Yes	100%	2017-18		11	आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी	आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी	विद्यापति एवं तिरहुता
12	प्रबन्धकाव्य	Yes	Yes	100%	2017-18		12	प्रबन्धकाव्य	प्रबन्धकाव्य	संस्कृत एवं प्राकृत
13	अनुवाद विज्ञान ओ पाश्चत्य आलोचना सिंद्धान्त	Yes	Yes	100%	2017-18		13	अनुवाद विज्ञान ओ पाश्चात्य आलोचना सिंद्धान्त	अनुवाद विज्ञान ओ पाश्चात्य आलोचना सिंद्धान्त	लोक साहित्य
14	लोक साहित्य	Yes	Yes	100%	2017-18		14	लोक साहित्य	लोक साहित्य	अनुवाद विज्ञान
15	विशिष्ट पत्र– विद्यापति, चन्दा झा, लालदास, पं० काशीकान्त झा	Yes	Yes	30%	2017-18		15	विशिष्ट पत्र– विद्यापति, चन्दा झा, लालदास, पं० काशीकान्त झा	विद्यापति	प्रो० हरिमोहन झा
16	विशिष्ट पत्र– पं० सुरेन्द्र झा 'सुमन', यात्री जी, आधुनिक गद्य एवं गद्यकार	Yes	Yes	100%	2017-18		16	विशिष्ट पत्र– पं० सुरेन्द्र झा 'सुमन', यात्री जी, आधुनिक गद्य एवं गद्यकार	विशिष्ट पत्र– पं० सुरेन्द्र झा 'सुमन'	प्रोजेक्ट + मौखिकी
							17			
Spl. Papers							18			
							19			
Overall Change = Total Change in Percentage/Number of Papers offered in Year 2017-18				**55%**						

 # Please Consult the attached performa for filling-up the data.
Mention all the years in which revisions have been carried out even in case of course/pape
If the departments are running more than one programs, please do the same for all of them in the format given above.

Signature

Name of the HoD

Signature 14/12/18

Name of the HoD

Head of the Department Maithil
Patna University, Patna-5

स्नातकोत्तर मैथिली विभाग के विगत पाँच वर्षों का अर्थात् 2013 से पाठ्य क्रमों का विवरण

सूचनार्थ सत्र 2012–13 को पाठ्यक्रमों के संदर्भ में	कार्यान्वित वर्ष	विषय सूची में परिवर्त्तन
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अन्तर विश्वविद्यालय–समिति (बिहार राज्य) द्वारा लिये गये निर्णय के आधार पर स्नातकोत्तर मैथिली विषय का पाठ्यक्रम एम०ए० प्रथम खण्ड एवं एम०ए० द्वितीय खण्ड, 2003–2005 से लागू हुआ और जून, 2012 तक लागू रहा।	2003–2005 प्रथम खण्ड– आठ पत्रों का, द्वितीय खण्ड– आठ पत्रों का **अंक विभाजन** (1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 20 (2) आलोचनात्मक प्रश्न– 80 (3) अष्टम पत्र – (क) 50 अंक का निबंध (ख) 50 अंक का मौखिकी	इससे पहले भी एम०ए० का सत्र दो सालों का था। लेकिन परीक्षा आठ पत्रों में ही होता था।
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सत्रार्द्ध पद्धति (Semester System) जुलाई 2012 से कार्यान्वित हुआ।	जुलाई 2012–13 से एम०ए० के पाठ्यक्रम में सत्रार्द्ध पद्धति प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक सत्र दो सत्रार्द्धों में विभक्त था। दो साल में कुल चार सत्रार्द्धों में परीक्षा होती थी। अंक का निर्धारण– (1) सतत आतंरिक मूल्यांकन – 30 अंक (2) अर्द्धसत्रान्त परीक्षा– 70 अंक कुल – 100 अंक	(1) अंक विभाजन में परिवर्त्तन (2) क्रेडिट का निर्धारण (पहले के पाठ्य क्रम में नहीं था)। (3) चतुर्थ पत्र में निर्धारित ग्रथों की संख्या में कमी (4) एगारहवाँ पत्र में पाठ्यक्रम में दो नाट्य पुस्तकों को बदल दिया गया। (5) दसम पत्र में एक पुस्तक को हटाकर दो पुस्तक जोड़ा गया। (6) बारहमवां पत्र में एक पुस्तक हटाया गया। (7) चोदहवां पत्र में लोक साहित्य जोड़ा गया। (8) विशिष्ट पत्र (Special Paper) में पं० काशीकान्त मिश्र 'मधुप' एवं लालदास जोड़ा गया। (9) सोलहवां पत्र भी विशिष्ट पत्र बना दिया गया। (10) मौखिकी परीक्षा समाप्त कर दी गई।

10/9/18
Head of the Department Maithili
University, Patna

सूचनार्थ सत्र 2012—13 को पाठ्यक्रमों के संदर्भ में	कार्यान्वित वर्ष	विषय सूची में परिवर्त्तन
माननीय कुलाधिपति के कार्यालय के पत्रांक BSU (Regulation)- 20/2018-1809/GS (1) दिनांक 10/07/2018 के आलोक में Choice Based Credit System के आधार पर नया सिलेबस सत्र— 2018—19 से प्रभावी।	सत्र— 2018—19 Choice Based Credit System के आधार पर नया सिलेबस सत्र— 2018—19 से कार्यान्वित।	1. द्वितीय सत्रार्द्ध के मूल पाठ्यक्रममे पहले चार पत्र था उसमें एक पत्र और जोड़ा गया, अब पाँच पत्र हुए। 2. तृतीय सत्रार्द्ध के मूल पाठ्यक्रम में पहले चार पत्र था। उसमें एक पत्र जोड़ा गया, अब पाँच पत्र हुए। 3. प्रथम सत्रार्द्ध के तृतीय पत्र से 'पुरुष परीक्षा' हटा दिया गया है। 4. द्वितीय सत्रार्द्ध में पंचम पत्र में पहले नाटक पत्र के रूप में था, उसके स्थान पर मैथिली साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) रखा गया है। 5. द्वितीय सत्रार्द्ध के षष्ठ पत्र में 'संकलन', 'नातिक पत्रक उत्तर', 'विविधा' के स्थान पर 'पारिजात हरण', एकांकी संग्रह' एवं अंकिया नाट्य जोड़ा गया है। 6. द्वितीय सत्रार्द्ध (पहले का तृतीय सत्रार्द्ध) के नौवाँ पत्र में पहले मैथिली साहित्य के इतिहास (आधुनिक काल) था अब 'प्रबन्ध काव्य' कर दिया गया है। 7. तृतीय सत्रार्द्ध (पहले भी तृतीय सत्रार्द्ध) के दवसाँ पत्र में पहले 'अश्रुकण' कथा—संग्रह था। उसके स्थान पर 'गंगापुत्र' रखा गया है। 8. तृतीय सत्रार्द्ध (पहले भी तृतीय सत्रार्द्ध) के ग्यारहवाँ पत्र में नाटक एवं एकांकी था। अब उसके स्थान पर 'विद्यापति' एवं 'तिरहुता' है।

10/9/18

Head of the Department Maithili
Patna University, Patna-5

		9. तृतीय सत्रार्द्ध (पहले भी तृतीय सत्रार्द्ध) के बारहवाँ पत्र में 'प्रबंध काव्य' था। उसके स्थान पर संस्कृत एवं प्राकृत दिया गया है। 10. तृतीय सत्रार्द्ध (पहले चतुर्थ सत्रार्द्ध) के तेरहवाँ पत्र में पहले अनुवाद विज्ञान और पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्त था। अब उसके स्थान पर 'लोकसाहित्य' कर दिया गया है। 11. तृतीय सत्रार्द्ध (पहले चतुर्थ सत्रार्द्ध) के चौदहवाँ पत्र में पहले 'लोक साहित्य' था, उसके स्थान पर 'अनुवाद विज्ञान' कर दिया गया है। 12. चतुर्थ सत्रार्द्ध (पहले चतुर्थ सत्रार्द्ध) के पन्द्रहवाँ पत्र पहले भी विशिष्ट पत्र था– विद्यापति, चन्दा झा एवं लालदास, पं० काशीकान्त मिश्र 'मधुप' था। अब (1) चन्दा झा अथवा पं० काशीकान्त मिश्र 'मधुप' (2) प्रो० हरिमोहन झा अथवा 'यात्री जी' है। 13. चतुर्थ सत्रार्द्ध (पहले भी चतुर्थ सत्रार्द्ध) में पहले भी सोलहवाँ पत्र विशिष्ट पत्र के रूप में था (सुमन, यात्री, आधुनिक गद्य एवं गद्यकार)। अब उसके स्थान पर नये सिलेबस में– प्रोजेक्ट वर्क– 50 अंक, मौखिकी – 50 अंक है।

10/9/18

Head of the Department Maithili
Patna University, Patna-5